

किसकी शरण में जाऊं

किसकी शरण में जाऊं अशरण शरण तुम्ही हो ॥

गज ग्राह से छुड़ाया प्रह्लाद को बचाया
द्रोपदी का पट बढ़ाया निर्बल के बल तुम्ही हो ॥

अति दीन था सुदामा आया तुम्हारे धामा
धनपति उसे बनाया निर्धन के धन तुम्ही हो ॥

तारा सदन कसाई अजामिल की गति बनाई
गणिका सुपुर पठाई पातक हरण तुम्ही हो ॥

मुझको तो हे बिहारी आशा है बस तुम्हारी
काहे सुरति बिसारी मेरे तो एक तुम्ही हो ॥

द्वारा : योगेश तिवारी

स्वर : [मृदुल कृष्ण गोस्वामी जी महाराज](#)

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7183/title/kiski-sharn-me-jaau-ashran-sharn-tumhi-ho>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |